सुनो लड़कियों...

विवाह करना और दाम्पत्य जीवन कोई मनोरंजन नहीं है, यह जीवन के सोलह संस्कारों में से एक महत्वपूर्ण संस्कार है। इसका परिणाम ग्रहस्ती, स्नेह और सम्मान होता है किंतु आधुनिकता की दौड़ में हम आज कल विवाह के परिणाम में क्या पाते हैं नीला ड्रम या एक भयावह हनीमून अथवा कोई? नई वारदात !

वर्तमान में धार जिले में हुई घटना को देखकर समाज की हर लड़की से मेरा हाथ जोड़ कर निवेदन है कि यदि तुम्हें विवाह के समय लड़का पसंद नहीं है बल्कि कोई और पसंद है तो स्पष्ट कहिये या विवाह के पश्चात मतभेद यदि हो भी तो कानूनी तौर पर तलाक ले लीजिए किंतु षड्यंत्र रच कर किसी के घर के चिराग को मत बुझाइए। वो तुम्हारे लिए साधारण लड़का हो सकता है किन्तु अपने माता-पिता और परिवार के लिए वह एक अनमोल हीरा है। समाज की ऐसी घटनाओं पर कई चुटकुले और हास्यास्पद टिप्पणियां भी आ रही हैं किंतु तत्क्षण विचार कीजिए यदि यही घटना हमारे किसी घनिष्ठ के साथ होती तो क्या हम यह मज़ाक सहन कर पाते ? पिछले समय में उस बेचारे ने सोचा था कि एक नई शुरुआत मेघालय, शिमला-मनाली में हनीमून से करें किंतु कौन जानता था कि वह घर ही वापस नहीं आ पायेगा। और आज 'तुम काले हो, मैं तुम्हें डिजर्व नहीं करती' यह कह कर षड्यंत्र द्वारा पति की हत्या कर दी जाती है। और इस दौर में प्रेमी के साथ मिलकर पति को मौत की नींद सुलाना आम बात हो गई है।

क्या यही हमारी संस्कृति है और यही परंपरा है?

हमारे देश की बेटियां किसका अनुसरण कर रही है?

एक समय था सावित्री यमराज से लड़कर अपने पति के प्राण वापस ले आई थी। लेकिन आज स्वयं एक सावित्री ही पति को यमराज के पास पहुंचा रहीं हैं ।

चिंता के साथ-साथ यह चिंतन का भी विषय है।

एक बार बुद्धिजीवी लोग अवश्य सोचें

हमे 'बेटी बचाओ' के नारे में बेटों का संरक्षण कितना जरूरी है?? ' चिंतित हैं कहीं उसके चेहरे की हंसी ना खो जाए..

विवाह करें भी तो कैसे घर का लाडला....

डर है कहीं मौत की नींद ना सो जाए।।

– कवि अभिषेक सोलंकी, बड़वन (मंदसौर)
मो. 9770465915

आपकी पाती

नौका चालन सरकार की निगरानी और नियंत्रण में हो!

अभी हाल ही में यमुना नदी में नाव डूबने से दस लोगों की मौत हुई और ओंकारेश्वर में नाव के चट्टान से टकराकर पलटी खाने से यात्री हताहत हुए हैं ! और आये दिन भी नाव दुर्घटना में यात्रियों के मारे जाने की घटनाएँ आम होती जा रही हैं ! नावों के दुर्घटनाग्रस्त होने का मुख्य कारण नाविकों की लापरवाही, जरूरत से ज्यादा सवारियों का बैठाया जाना और कई नाविकों का प्रशिक्षित नहीं होना है ! नाविकों द्वारा कई बार नावों में सवारियों को तो बैठा लिया जाता है पर सुरक्षा जैकेट कीट ना होने से भी दुर्घटना के समय मरने वालों की संख्या बढ़ जाती हैं ! जिससे सरकार को राहत राशि देना पड़ती हैं और सरकारी खर्च बढ़ जाता हैं ! बारम्बार होती नावों की दुर्घटनाओं को रोकने के लिए नौका चालन सरकारी अधिकारियों की निगरानी में होना चाहिये ! नावों में क्षमता अनुसार सवारियों को बैठाना जाना चाहिए और नावों में यात्रियों की सुरक्षा के लिए सुरक्षा कीट का होना भी जरूरी है ! इस प्रकार से नौका चालन सरकार की निगरानी और नियंत्रण में ही होना चाहिये।

– डॉ. मदनलाल गांगले, जावरा

गुजर रही उम्र गुजर रही जिंदगी

गुजर रही उम्र गुजर रही जिंदगी...
दिन गुजर रहे हैं दिनों दिन
और गुजर रही है उम्र भी
हाथों की लकीरें मिट रही
घिस गई हैं इनकी भी उम्र...
कौन कब कहां तक साथ
जाने कब किसका छूटे हाथ
पल दो पल ठहर तो जा ज़रा
अभी सांसों का है मेला लगा...
पत्ता पत्ता हरा भरा यहां का
एक न एक दिन पीला पीला
हाथ मलते रह जाएगी उम्र यहां
जिंदगी रेत सी फिसल जाएगी
देख पायेगा मुड़कर भी कहां.....

लाल बहादुर श्रीवास्तव

भाजपा का 'गांव बस्ती चलो' अभियान भूतखेड़ी में संपन्न

राणापुर गुरु महेश जैन

भारतीय जनता पार्टी के 47वें स्थापना दिवस के अवसर पर झाबुआ विधानसभा के राणापुर मंडल अंतर्गत ग्राम पंचायत भूतखेड़ी में 'गांव बस्ती चलो' अभियान का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत दोपहर 12 बजे पीपला फलिया, भूतखेड़ी से हुई। इस दौरान झाबुआ-रतलाम-अलीराजपुर संसदीय क्षेत्र की लोकप्रिय सांसद श्रीमती अनिता नागरसिंह चौहान का ग्रामीणों द्वारा पुष्पमालाओं से आत्मीय स्वागत किया गया। वहीं सांसद द्वारा भी भाजपा के वरिष्ठ कार्यकर्ताओं का सम्मान किया गया। कार्यक्रम में मंडल अध्यक्ष कमलेश नायक ने स्वागत भाषण देते हुए केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी तथा बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत करने का आह्वान किया। पूर्व जिलाध्यक्ष मनोहरलाल सेठिया ने भी भाजपा की योजनाओं पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए युवाओं को पार्टी से जुड़ने के लिए प्रेरित किया। जिला उपाध्यक्ष रामेश्वर नायक ने सरकार की उपलब्धियों और योजनाओं पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के दौरान सांसद चौहान ने ग्रामीणों की समस्याएं सुनकर कई मामलों का मौके पर ही निराकरण किया, जबकि अन्य मांगों को शासन-प्रशासन तक पहुंचाने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार का उद्देश्य अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना है। साथ ही उन्होंने नारी शक्ति वंदन अधिनियम के समर्थन में महिलाओं से संवाद करते हुए महिलाओं को 33% आरक्षण देने के निर्णय को ऐतिहासिक बताया। कार्यक्रम में भाजपा युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष विश्वास जैन, मंडल प्रतिनिधि जयेश तुवरिया, आईटी संयोजक शुभम तुवरिया, कार्यालय मंत्री अविनाश पंड्या, कांतिलाल प्रजापत, जनपद सदस्य संगीता राकेश सोलंकी, मंडल मंत्री लक्ष्मी मेडा सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन जिला मंत्री बबलू सकलेचा ने किया, जबकि आभार प्रदर्शन भूतखेड़ी सरपंच मुकेश मेडा ने व्यक्त किया।

शास्त्रीय संगीत का एक दौर : 'आशा भोंसले'

गीत संगीत की दुनिया में कितनी आवाजें आई और चली गई उन सबमें एक अनूठी आवाज थी आशा भोंसले की। आज वह खूबसूरत आवाज़ की मल्लिका भी दुनिया को अलविदा कह गई। मंगेशकर बहनें बेमिसाल रही। लता मंगेशकर ने अपनी आवाज़ से लोगों को रूलाया तो आशा भोंसले ने कदमों से नचाया। शास्त्रीय संगीत में अनोखा काम किया था आशा भोंसले ने। जिस तरह यौडलिंग से किशोर कुमार ने नया आविष्कार किया था उसी तरह शास्त्रीय संगीत की धुन पर आशा भोंसले ने अपनी आवाज को और भी खूबसूरत निखारा। 'पिया तू अब तो आ जा', 'आजा आजा मैं हूँ प्यार तेरा', 'ओ मेरे सोना रे', 'दम मारो दम', 'रात बाकी बात बाकी' जैसे गीतों को आवाज़ देकर संगीत का जादू सर चढ़कर बोलने लगा था। साठ के दशक से लेकर नब्बे के दशक तक आशा भोंसले ने हर तरह के गीत अलग-अलग अंदाज में गाए?। जब पंचम यानी राहुल देव बर्मन का आशा भोंसले की जिंदगी में आना हुआ तो और भी चार चांद लग गए। दंपत्ति ने मिलकर एक सुखद संगीत की यात्रा की। मेलोडी क्वीन की ख्याति से प्रसिद्ध आशा भोंसले को उनके चाहने वाले 'आशा ताई' कहकर बुलाते थे। चाहे मोहम्मद रफी हो, मुकेश कुमार हो या किशोर कुमार

आशा भोंसले ने सभी के साथ अपनी दमदार आवाज से सिनेमाई दुनिया को रौशन किया है। हेलन को लेकर कैबरे डांस पर थिरकते हुए सभी ने देखा सुना है परन्तु पीछे से आवाज़ जो टकराकर आती थी वह आशा भोंसले की थी। किशोर कुमार के साथ गाये उनके रोमांटिक गीत घर घर में किस्से बनने लगे थे। परदे पर जीनत अमान हो, हेमा मालिनी हो या फिर मुमताज़ इन सब पर फिल्माए आशा भोंसले की आवाज में गीत उस दौर में सिर चढ़कर बोलने लगे। जीवन एक संघर्ष है और मंगेशकर बहनों ने आर्थिक रूप से संघर्ष देखा है। इतना आसान भी नहीं था कि एक पल में गीत गाने को मिल जाए, संगीत मिल जाए! इन सबके लिए खुद को सांचे में ढालना पड़ता है। लता मंगेशकर बड़ी बहन रही और पिता दिनानाथ मंगेशकर के गुजर जाने के बाद घर की जिम्मेदारी लता पर आ गई। तब मात्र सोलह साल की उम्र थी और इस उम्र में गीत संगीत को लेकर रियाज़ काम को लेकर संघर्ष जारी रहा। संगीत की प्रेरणा मंगेशकर बहनों को पिता से ही मिली। पांच भाई बहनों का संयुक्त परिवार जिसमें लता मंगेशकर बड़ी बहन, दूसरे नंबर पर आशा भोंसले, तीसरे नंबर पर मीना खड़ीकर, चौथे नंबर पर ऊषा मंगेशकर व पांचवें नंबर पर हृदयनाथ मंगेशकर आते हैं और इन सभी भाई बहनों ने संगीत की दुनिया में एक लंबी विरासत रह चुके हैं। मात्र सोलह साल की उम्र में आशा भोंसले की शादी हो गई और फिर छूटने के बाद गीत संगीत की दुनिया में कामयाबी के उच्च शिखर पर एक मिसाल कायम की। आशा भोंसले का जाना एक ऐसे युग का अंत जिसकी भरपाई भारतीय सिनेमा कभी नहीं कर पाएगा।

मनीष कुमार पाटीदार
इंटावदी (महेश्वर)

धार पुलिस की तत्परता से तीन आरोपी गिरफ्तार, दो बाल अपचारी शामिल

48 घंटे में सनसनीखेज लूट, अपहरण व हत्या का खुलासा

ईफराज कुरैशी, कुक्षी। जिले में हुई लूट, अपहरण और हत्या की सनसनीखेज घटना का खुलासा करते हुए धार पुलिस ने महज 48 घंटे के भीतर बड़ी सफलता हासिल की है। इस मामले में पुलिस ने मुख्य आरोपी सहित कुल तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जिनमें दो बाल अपचारी शामिल हैं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार दिनांक 11 अप्रैल 2026 को फरियादी मोहम्मद हारुन खत्री निवासी सोनी मोहल्ला, डही ने थाना डही में रिपोर्ट दर्ज कराई कि उनकी कृषी रोड स्थित ए-1 ऑटो डील दुकान पर सुबह करीब 11:35 बजे तीन अज्ञात युवक मोटरसाइकिल से पहुंचे। आरोपियों ने बोलेरो वाहन खरीदने का बहाना बनाकर वाहन देखा और टेस्ट ड्राइव के नाम पर कर्मचारी साहिल को साथ लेकर गाड़ी लेकर फरार हो गए। काफी तलाश के बावजूद उनका कोई पता नहीं चला।

घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तत्काल मामला दर्ज कर विशेष जांच शुरू की। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में चार विशेष टीमें गठित की गई और क्षेत्र में नाकाबंदी कर सघन तलाशी अभियान चलाया गया। इसी दौरान सूचना मिली कि सुसारी गांव के पास लूटा गया वाहन दुर्घटनाग्रस्त अवस्था में मिला है।

पुलिस टीम द्वारा मौके पर पहुंचकर वैज्ञानिक एवं तकनीकी साक्ष्य एकत्र किए गए। फिंगरप्रिंट एक्सपर्ट, डॉग स्क्वाड एवं साइबर टीम की मदद से जांच को आगे बढ़ाया गया। अगले दिन 12 अप्रैल को सुसारी से लगभग 2 किलोमीटर दूर कर्मचारी साहिल का शव बरामद हुआ, जिससे मामला हत्या में परिवर्तित हो गया।

सीसीटीवी फुटेज और मुखबिर की सूचना के आधार पर एक आरोपी की पहचान सुनील मेड़ा निवासी आम्बी, जिला अलीराजपुर के रूप में हुई। पुलिस ने आम्बुआ के जंगल में दबिश देकर आरोपी को गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपी ने अपने दो साथियों (बाल अपचारी) के साथ मिलकर वारदात को अंजाम देना स्वीकार किया।

आरोपियों ने बताया कि वे बोलेरो वाहन लूटने के उद्देश्य से डही पहुंचे थे। टेस्ट ड्राइव के दौरान कर्मचारी द्वारा विरोध करने पर उन्होंने गोली मारकर उसकी हत्या कर दी और शव को सुनसान स्थान पर छिपा दिया। इसके बाद वाहन लेकर भागते समय दुर्घटना हो गई, जिससे वाहन पलट गया। बाद में आरोपी पैदल भागकर अपने साथी की मदद से फरार हो गए।

इस पूरे प्रकरण में कृषी, डही, टांडा, जोबट एवं आम्बुआ थानों सहित साइबर सेल की टीमों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। पुलिस की इस त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई के लिए वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा टीम को पुरस्कृत करने की घोषणा की गई है।

डॉ. बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर की 135 वीं जन्म जयंती के उपलक्ष्य में चल समारोह

नागदा जं. निप्र। मंगलवार को नागदा में डॉ. बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर की 135वीं जन्म जयंती के उपलक्ष्य में डॉ. अम्बेडकर आयोजक समिति एवं संयुक्त बहुजन समाज के बैनर तले भव्य चल समारोह का आयोजन किया जा रहा है, उक्त चल समारोह का समय दोपहर 3 बजे, पुरानी नगर पालिका युवराज धर्मशाला के पास से प्रारंभ होकर संपूर्ण नागदा शहर के मुख्य मार्ग में भ्रमण के पश्चात पुराना बस स्टैण्ड अम्बेडकरजी की प्रतिमा पर संगठन के पदाधिकारी द्वारा हर्षोल्लास के साथ माल्यार्पण कर अम्बेडकर भवन झांझाखेडी सोसायटी के पास पाइल्यांकला पर समापन होगा, जिसमें संगठन के द्वारा शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र से अधिक से अधिक संख्या में अपने परिवार सहित पधारने का अनुरोध किया जाता हैं। उक्त जानकारी नरेन्द्र परमार बौद्ध (सदस्य, डॉ. अम्बेडकर आयोजक समिति) द्वारा दी गई।

जगन्नाथ रथ यात्रा समिति की वार्षिक बैठक

मनावर से बसन्त जखमी,(इंदौर समाचार) भगवान जगन्नाथ रथ यात्रा समिति इकाई मनावर की वार्षिक औपचारिक बैठक स्थानीय मंगला देवी मंदिर में आयोजित की गई। जिसमें समिति की गतिविधि तथा गत वर्ष नगर में पहली बार आयोजित रथयात्रा की समीक्षा एवं आय-व्यय का ब्यौरा प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर बैठक में वर्ष 2026 में निकलने वाली

रथ यात्रा को भव्य बनाने हेतु व्यापक चर्चा की गई। समिति के सभी सदस्यों से विशेष तैयारियां करने का विशेष अनुरोध किया गया। उल्लेखनीय है कि गत वर्ष नगर में निकाली गई रथ यात्रा ऐतिहासिक भव्य और सफल रही। नगर तथा आस-पास के ग्रामों से पधारे भक्तजनों ने भगवान जगन्नाथ के दर्शन कर अपने जीवन को सफल बनाया। ब्रह्मांड पुराण के अनुसार रथारूढ़ भगवान के दर्शन मात्र से मानव जन्म मृत्यु के बंधन से मुक्त हो जाता है, इसी तथ्य को दृष्टिगत रखते हुए उपस्थित सदस्यों ने रथ यात्रा को अधिक भव्यता प्रदान करने का संकल्प लिया गया। गत वर्ष आयोजित रथयात्रा की सफलता पर आयोजक समिति को बधाई दी गई। उपरोक्त बैठक में सोनू पाटीदार, मोहित विश्वकर्मा, वंश पाटीदार, नक्ष पाटीदार, कोस्तुभ जोशी, आनंद कुशवाह, अभिषेक वर्मा, यश जौहरी , देवेंद्र सोलंकी, जगदीशचंद्र पाटीदार, राजा पाटक उपस्थित रहे।

जगन्नाथ रथ यात्रा का धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व

मान्यता है कि जो श्रद्धालु इस रथ यात्रा में भाग ले कर श्रद्धाभाव से भगवान के रथ को खींचते हैं, उनके सभी पाप कट जाते हैं और उन्हें पुण्य फल की प्राप्ति होती है। आम तौर पर मंदिर के गर्भगृह में रहने वाले भगवान जगन्नाथ इस दिन स्वयं मंदिर से बाहर निकलकर, आम जनता को दर्शन देने के लिए नगर भ्रमण पर निकलते हैं। रथ यात्रा में सकल हिंदू समाज भक्तिभाव से सम्मिलित होकर एक साथ मिलकर भगवान का रथ खींचते हैं, जो सामाजिक एकता सद्भाव और भाईचारे का संदेश देता है। यह यात्रा भगवान कृष्ण के वृंदावन वापस आने की याद में निकाली जाती है, जिसे %गुंडिचा यात्रा% या %रथ उत्सव% के नाम से भी जानते हैं। ऐसी मान्यता है कि रथ यात्रा में भगवान के रथ को रस्सियों से खींचना हजारों यज्ञों के बराबर पुण्य प्रदान करता है। यह महोत्सव आस्था, विश्वास और भक्ति का एक अनूठा संगम है, जो भक्तों को भगवान के साक्षात दर्शन और सेवा का अवसर प्रदान करता है।

भारतीय पत्रकार संघ की जिला स्तरीय महत्वपूर्ण बैठक नवीन जिला अध्यक्ष प्रकाश पड़ियार के नेतृत्व में संपन्न

झाबुआ/थांदला, मनोज उपाध्याय। भारतीय पत्रकार संघ के कार्यक्रम की शुरुआत स्वागत भाषण के साथ हुई, कार्यक्रम का संचालन जिला संयोजक मोहन परमार के द्वारा किया गया ।

परमार को संयोजक और परिहार को महासचिव मनोनीत किया

जिसके बाद उपस्थित अतिथियों एवं पत्रकार साथियों का पुष्पमालाओं से सम्मान किया गया। बैठक में पत्रकारों के अधिकार, संगठन की मजबूती, निष्पक्ष पत्रकारिता एवं वर्तमान चुनौतियों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक के दौरान नवीन कार्यकारिणी का गठन किया गया, जिसमें जिला संयोजक, जिला महा सचिव सहित विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर नियुक्तियां की गई।

साथ ही तहसील स्तर पर भी संगठन को मजबूत करने के उद्देश्य से पेटलावद राणापुर, झाबुआ एवं थांदला सहित अन्य क्षेत्रों में कार्यकारिणी गठन की घोषणा की गई, जिन्हें जल्द पूर्ण रूप दिया जाएगा।

राष्ट्रीय अध्यक्ष संदीप जी जैन Aij राष्ट्रीय अध्यक्ष संदीप जैन ने बताया कि Aij एक संगठन नहीं हम सब की एकता का प्रतीक है ,AIj में रहकर हमे सच्ची निष्ठा तत्परता से पत्रकारिता के क्षेत्र में कार्य करना है । आज की कार्यकारिणी के समस्त साथियों को बधाईयां शुभकामनाएं ।

नवीन जिला अध्यक्ष प्रकाश पडियार जिला अध्यक्ष प्रकाश पड़ियार ने समस्त पधारे पत्रकार साथियों का सम्मान किया व आभार मानते हुए कहा कि मुझे ये दायित्व फिर से संघ के वरिष्ठजनों ने दिया है में विश्वास दिलाता हु कि निरन्तर संगठन का कार्य सच्ची निष्ठा से करूंगा साथ ही आज मैने कार्यकारिणी के रूप में एक टिम तैयार की है । ओर पदाधिकारी की घोषणा की है । निरंतर इन घोषणाओं के साथ संगठन का विस्तार व समस्त पत्रकारों को साथ लेकर संगठन हित के कार्य करते रहेंगे ।

इस दौरान नवीन नियुक्त पदाधिकारियों में प्रमुख रूप से- जिला संयोजक- मोहन परमार (पेटलावद) जिला संयोजक- सुधीर जी शर्मा थांदला महासचिव- सुरेश चंद परिहार जिला उपाध्यक्ष - = कादर शेख थान्दला। डॉक्टर निहाल सिंह सिसोदिया रामा। हर्षवर्धन सिंह ठाकुर राणापुर जिला सचिव : तेजमल गारी राणापुर। पवन राठौड़ रामा। राजू भाई धानक थान्दला। तहसील अध्यक्ष : अनिल शिवदे थांदला। निलेश सोनी पेटलावद जितेंद्र जैन रामा। तहसील महासचिव : जयमल मेड़ा पेटलावद। राहुल अग्रवाल सारंगी। तहसील स्तर पर भी कई पदाधिकारियों की नियुक्ति की गई, जिनमें- नगर अध्यक्ष : चंद्रशेखर राठौर पेटलावद। धर्मेंद्र प्रजापत सारंगी। आदि कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारियां सौंपी गई। नवीन पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं का मंच पर पुष्पमालाओं से स्वागत कर सम्मानित किया गया तथा उन्हें नई जिम्मेदारियों के लिए बधाई दी गई। सभी ने संगठन को मजबूत करने एवं पत्रकारों के हितों की रक्षा के लिए सक्रिय रूप से कार्य करने का संकल्प लिया।

बैठक में युवा विंग राष्ट्रीय राष्ट्रीय अध्यक्ष संदीप जैन, प्रदेश सचिव मनोज उपाध्याय प्रदेश माहा सचिव जावेद खान, संभाग समन्वयक योगेश चौहान, जिला अध्यक्ष प्रकाश पड़ियार , वरिष्ठ पत्रकार हरिशंकर पवार,सुधीर शर्मा, सत्यनारायण शर्मा ,सहित जिले के समस्त पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। बैठक का आयोजन शाम 4 बजे से 7 बजे तक किया गया, जिसमें संगठन के विस्तार, आगामी योजनाओं एवं पत्रकारों के कल्याण से जुड़े मुद्दों पर व्यापक चर्चा हुई। अंत में आभार प्रदर्शन पेटलावद नगर अध्यक्ष चंद्रशेखर राठौड़ द्वारा माना गया । आभार के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

बैठक के समापन के पश्चात सभी ने एकजुटता के साथ पत्रकार एकता जिंदाबाद के नारो के उद्घोष के साथ एकता का परिचय दिया साथ ही संभाग समन्वयक योगेश चौहान ने बताया कि हमे गर्व है कि हम पत्रकार है साथ ही इससे बड़ी गर्व की बात है कि हम लोग पत्रकार संघ A.I.J से जुड़े हुए है । ओर हम इस संगठन में कार्यरत है ये काफी गौरव की बात है साथ ही आज की जिला कार्यकारिणी बैठक भी काफी महत्वपूर्ण थी व सफल बैठक की सभी साथियों को बधाईयां । उसके पश्चात समस्त पत्रकार साथियों को सह भोज का आनंद लिया। मिल जुलकर सभी साथियों ने भोजन ग्रहण किया । उसके बाद कार्यक्रम का समापन हुआ सबने आयोजन की सराहना करते हुए अपने अपने निवास की ओर प्रस्थान किया ।